उदय प्रकाश का कहानी साहित्य और सामाजिक यथार्थ

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी), दयालबाग़, आगरा की पीएच–डी. (हिन्दी) की उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध विषय की प्रस्तावित

रूपरेखा

(सन् – 2017)

निर्देशिका :

प्रो. कमलेश कुमारी रवि
प्रोफेसर
हिन्दी विभाग
कला संकाय

शोधार्थिनीः

कल्पना बघेल
बी.एड, एम.ए., एम.फिल्

हिन्दी विभागाध्यक्ष

प्रो. शर्मिला सक्सेना

कला संकाय प्रमुख

प्रो. जे. के. वर्मा

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी), दयालबाग़, आगरा– 282005

उदय प्रकाश का कहानी साहित्य और सामाजिक यथार्थ

शोध परिचय

सामाजिक यथार्थ से अभिप्राय समाज की यथास्थिति का चित्रण करना है अर्थात् समाज जैसा हो वैसा ही उसका यथार्थ चित्रण किया जाये रचनाकार सामाजिक यथार्थ और सामाजिक सम्बंधों की समग्रता का चित्रण करते समय सम्बन्ध के वैयक्तिक सामाजिक और मानवीय पक्षों का उद्घाटन करता है। वह मनुष्य की वैयक्तिक सामाजिक और मानवीय संवेदना की व्यंजना करता है। अपने समय के यथार्थ, उसके बदलते रूपों एवं दबावों को देखने ,जानने एवं उसका वृतांत रचने तथा व्यक्ति व सभ्याचार की विभिन्न संरचनाओं में परिवर्तन होते मानवीय सरोकारों को सूक्ष्मता एवं कलात्मक सूझ के साथ आख्यानात्मक स्तर पर अभिव्यक्ति देने की विलक्षण क्षमता व अंतर्दृष्टि कहानीकार उदयप्रकाश के पास है। आपकी कहानियों का वृतांत यथार्थ के बाहरीपन से निर्मित नहीं है बल्कि यथार्थ के दबावों व वास्तविकताओं की आंतरिकता को सहज मानवीय परिप्रेक्ष्य में प्रकट करने की समझ इन कहानियोंमें दृष्टिगोचर होती है।

कथा साहित्य मानव जीवन से सम्बन्धित होते हैं। कथा साहित्य में रचनाकार अपनी युगीन चेतना से प्रेरित होकर साहित्य की रचना करता है। युगीन बोध जब लेखक एवं कवि चेतना से संयुक्त अपने सम्प्रेषित स्वरूप में लोक चेतना से जुड जाता है तभी श्रेष्ठ साहित्य का निर्माण होता है। कथा साहित्य में समाज की ठोस वास्तविकताओं ,चरित्रों,घटनाओं और माध्यम से इस तरह उभरती है कि हम अपने सामने मौजूद समाज को कहानियों मे मौजूद समाज से मिलाते हैं दोनों को साथ और सामान्तर रखकर देखने की यह प्रक्रिया कहानी और उपन्यास पाठ प्रक्रिया में एक रचनात्मक आयाम को जोड़ती हैं। उदय प्रकाश जी का समकालीन कहानीकारों में महत्वपूर्ण स्थान है। आप एक वरिष्ठ कहानीकारों के रूप में जाने जाते हैं। आपका कथा साहित्य मध्यवर्ग एवं निम्नवर्ग को केन्द्र में रखकर लिखा गया है। आपका कहानी साहित्य मानव जीवन के निकट दिखाई देता है। उदय प्रकाश ने भारतीय जीवन के बदलते यथार्थ को उसकी जटिलताओं में अभिव्यक्त किया है उदय प्रकाश की कहानियाँ गहराई से उपभोक्ता समाज की विडम्बनाओं से जुडी हुई है ये इस समाज में फंसे आम आदमी की संघर्ष चेतना शोषण विरोधी स्वर और आशा के साथ खड़ी दिखाई पड़ती हैं। दूसरी तरफ ये कहानियाँ मौजूदा बाजार तन्त्र में फंसे बेबस, टूटते और दमनकारी

परिस्थितियों में निराश लोगों की चेतना से जुड़ा है। इनकी कहानियों में आम मनुष्य जीवन की ही तरह आशा और निराशा के साथ जीवन जीते चरित्र नजर आते हैं।

उदयप्रकाश जी का जन्म 1सितम्बर 1952, सीतापुर, (शहडोल), मध्यप्रदेश में हुआ। इन्होंने अनेक हिन्दी विधाओं पर अपनी लेखनी चलाई जैसे कविता ,कहानी,उपन्यास , निबंध ,आदि। इनके कविता संग्रह–सुनो कारीगर , अबूतर–कबूतर , रात में हारमोनियम , एक भाषा हुआ करती है, कहानी संग्रह–दरियाई घोड़ा , तिरिछ, और अन्त में प्रार्थना, पॉल गोमरा का स्कूटर , पीली छतरी वाली लड़की, मेंगोसिल , दिल्ली की दीवार, अरेबा परेबा,दत्तात्रेय के दुःख, मोहनदास। निबंध संग्रह–ईश्वर की आँख, नई सदी का पंचतंत्र। अनुवाद– इंदिरा गांधी की आखिरी लड़ाई, कला अनुवाद , लाल घास पर नीले घोड़े, रोम्यां रोलां का भारत, इतालो काल्विनो , नेरुदा , येहुदा अमिचाई, फर्नांदो प सोवा ,कवाफी लोर्का ,तादयुश रोज़ेविच ,जेग्जेव्येस्की,अलेक्सांद्र ब्लाक आदि रचनाकारों के अनुवाद। सम्मान–भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार ,ओमप्रकाश सम्मान ,श्रीकांत वर्मा पुरस्कार ,मुक्तिबोध सम्मान , वनमाली पुरस्कार ,साहित्य अकादमी पुरस्कार, साहित्यकार सम्मान, द्विजदेव सम्मान ,पहल सम्मान, अंतरराष्ट्रीय पुश्किन सम्मान] SAARC writer Award ,PEN grant for translation of The Girl with the Golden Parasol (trasn. Jason Gruebaum) कृष्ण बलदेव वैद सम्मान महाराष्ट्र फाउडेशन

पुरस्कार आदि सम्मानो से पुरस्कृत किया गया है।

प्रस्तुतशोध विषय की प्रेरणा एवं चयन :–

सामाजिक यथार्थ से ही साहित्य में अभिरूचि उत्पन्न होती है क्योंकि साहित्य का प्रयोजन किसी भी सच्चाई को वास्तविक तौर पर चित्रण करना होता है। साहित्यकार संवेदनशील, विवकेशील और जागरूक होता है। उसके लेखन में समाज को अपने समाज को दुख,अन्याय और मिथ्यावाद से मुक्त करने की प्रबल आकांक्षा होती है। उदय प्रकाश ने अपने कथा साहित्य में अनुभूति और प्रगतिशील विचारों के आधार पर सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में समाज के विभिन्न संदर्भो को अभिव्यक्त किया है। इनमें निम्न वर्ग ,मध्यवर्ग, शोषित ,मजदूर वर्ग आदि वर्ग को केन्द्र में रखा गया है। उदय प्रकाश ने अपने कथा साहित्य में समाज की यथार्थ स्थिति को तथा संवेदनशीलता को बेबाकी के साथ प्रस्तुत किया है।

उपन्यास एवं कहानी विधा के प्रति मेरा रूझान प्रारम्भ से ही रहा है। इसलिए मैंने उदयप्रकाश के कथासाहित्य को पढ़ा तथा समझा और निश्चय किया कि कथा साहित्य पर कार्य करूँ तथा उदय प्रकाश

का कहानी साहित्य और सामाजिक यथार्थ को अपने शोध का विषय बनाया जिसकी प्रेरणा मुझे मेरी शोध निर्देशिका प्रो. कमलेश कुमारी रवि जी के सहयोग एवं निर्देशन से मिली।

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य :–

उदय प्रकाश का कहानी साहित्य और सामाजिक यथार्थ विषय के अन्तर्गत उदय प्रकाश कि कहानियों में मुख्य रूप से सामाजिक यथार्थ को शोध का केन्द्र बनाया गया है। प्रस्तुत शोध प्रबंध के अन्तर्गत उदय प्रकाश के कथा साहित्य में यथार्थ के स्वरूपों का चित्रण किया जायेगा, जिसमें यथार्थ के नए तरीके जैसे जादुई यथार्थ आदि का विश्लेषण किया जायेगा साथ ही समसामायिक परिस्थितियों से उत्पन्न सामाजिक यथार्थ एवं राजनीतिक यथार्थ, आर्थिक यथार्थ, सांस्कृतिक यथार्थ आदि को उजागर किया जाश्येगा तथा कथा साहित्य में भाषा पक्ष की विलक्षणता को सामने लाया जायेगा एवं कथा साहित्य में शोध के द्वारा उदय प्रकाश के समकालीन कथाकरों के विचारों को भी प्रस्तुत किया जायेगा। यही इस शोध का उदेद्श्य होगा।

अनुसंधान की प्रविधि :–

प्रत्येक विषय के बारे में जानना तथा खोज करना मनुष्य की प्रवृत्ति है। साहित्य के क्षेत्र में शोध करते समय अनुसन्धान की पद्धति का प्रयोग किया जाता है। मैंने उदय प्रकाश का कहानी साहित्य और सामाजिक यथार्थ अध्ययन विषय में वर्णनात्मक, विवेचनात्मक ,तुलनात्मक, अनुसन्धानात्मक पद्धतियों का शोध के समय प्रयोग किया जायेगा, साथ ही पत्र– पत्रिकाओं, लेखकों के विचार विमर्शों को भी अध्ययन का आधार बनाया जायेगा।

पूर्व प्रस्तुत कार्य का विवरण :

उदय प्रकाश जी के कथा साहित्य को आधार बनाकर मेरी जानकारी के अनुसार दो शोध कार्य सम्पन्न हो चुके हैं जिनका विवरण इस प्रकार है –उदय प्रकाश का रचनात्मक अवदान, शोधार्थी– सुबोध कुमार देवागन, स्थान–पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर।मध्यवर्ग और उदयप्रकाश का कथा साहित्य ,शोधार्थी–पवनकुमार सिंह, स्थान–काशी हिन्दी विश्वविद्यालय वाराणसी।

अतः उदय प्रकाश जी के साहित्य पर उपर्युक्त शोध कार्य सम्पन्न हो चुके है और मेरा शोध विषय उदय प्रकाश का कहानी साहित्य और सामाजिक यथार्थ जिस पर मेरी दृष्टि में अभी तक किसी भी प्रकार का शोध कार्य नहीं हुआ है। इस दृष्टि से मेरा यह शोध कार्य पूर्णतः मौलिक एवं नवीन होगा।

कार्य की मौलिकता :–

उदय प्रकाश का कहानी साहित्य और सामाजिक यथार्थ पर अभी तक कोई शोध कार्य नहीं हुआ है। मेरा यह शोध कार्य पूर्णतः मौलिक एवं नवीन हैं। शोध और समीक्षा के क्षेत्र में प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के द्वारा एक नई दृष्टि साहित्य को देने के लिए एक नगण्य प्रयास होगा ।

शोधार्थी

कल्पना बघेल

उदय प्रकाश का कहानी साहित्य और सामाजिक यथार्थ

प्रथम अध्यायः—उदय प्रकाश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

द्वितीय अध्याय :— सामाजिक यथार्थ के विविध रूप : सैद्धांतिक विवेचन

(क) यथार्थ परम्परा और विकास

(ख) यथार्थ के नये रूप

(ग) साहित्य और यथार्थ का अंतरसंबंध

(घ) जादुई यथार्थवाद

(ड) सामाजिक यथार्थवाद

तृतीय अध्याय :— उदय प्रकाश के कथा साहित्य में चित्रित सामाजिक यथार्थ के विविध रूप

(क) सामाजिक यथार्थ

(ख) आर्थिक यथार्थ

(ग) राजनीतिक यथार्थ

(घ) सांस्कृतिक एवं धार्मिक यथार्थ

चतुर्थ अध्यायः— उत्तर आधुनिकता और जादुई यथार्थ : उदय प्रकाश का कथा साहित्य

(क) उत्तर आधुनिकता के लक्षण और विशेषता

(1) यथार्थ का विलोप

(2) केन्द्र का हाशिया

(3) पाठ और संरचना

(4) उदय प्रकाश को कहानियों में उत्तर आधुनिकता

(ख) जादुई यथार्थ : अवधारण एवं लक्षण

(1) उदय प्रकाश की कहानियों में जादुई यथार्थ

पंचम अध्यायः– उदय प्रकाश के कथा साहित्य का शिल्प एवं वैशिष्ट्य

(क) कथा वस्तु का वैविध्य

(ख) लम्बी कहानियों का शिल्प वैशिष्टय्

(ग) भाषा

उपसंहारः––––.–

परिशिष्ट :–

(1) आधार ग्रन्थ

(2) सन्दर्भ

(3) साक्षात्कार

(4) प्रश्नावली

(5) पत्र–पत्रिकाएँ।

ग्रन्थानुक्रमाणिका

पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशन	संस्करण
दरियाई घोडा	उदयप्रकाश	वाणी प्रकाशन	1982
तिरिछ	उदयप्रकाश	वाणी प्रकाशन नई दिल्ली	1986
और अंत में प्रार्थना	उदयप्रकाश	वाणी प्रकाशन	1994
पॉल गोमरा का स्कूटर	उदयप्रकाश	वाणी प्रकाशन	1997
मेंगोसिल	उदयप्रकाश	वाणी प्रकाशन	2006
अरेबा–परेबा	उदयप्रकाश	वाणी प्रकाशन	2006
दन्तात्रेय के दुख	उदयप्रकाश	वाणी प्रकाशन	2002
मोहनदास	उदयप्रकाश	वाणी प्रकाशन	2006
पीली छतरी वाली लड़की	उदयप्रकाश	वाणी प्रकाशन	2001

सहायक ग्रन्थों की सूची

पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशन	संस्करण
आधुनिक हिन्दी कहानी में वर्णित सामाजिक यथार्थ	ज्ञानचन्द शर्मा	राधा पब्लिकेशन्स दिल्ली	प्रथम 1996
नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति	देवीशंकरअवस्थी	राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली	1973
राजेन्द्र यादव का कथा साहित्य यथार्थवादी परिप्रेक्ष्य	डॉ. हरिशंकर गौड	लोकालोक प्रकाशन गाजियाबाद	प्रथम 1999
यथार्थवाद	शिवकुमार मिश्र	द मैकमिलन कंपनी ऑफ इडिया लिमिटेड नई दिल्ली	1975
सामाजिक पुनः निमार्ण का समाजशास्त्र और साहित्य	डॉ.विश्वम्भरदयाल गुप्त	सीता प्रकाशन हाथरस	प्रथम 1984
सामाजिक यथार्थ और कविता का आत्मसंघर्ष	कवुँर नारायण	राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली	1992
समकालीन कथाकार और नई कथा कृतियाँ	गुरूचरण सिंह	संजय प्रकाशन नई दिल्ली	2007
समकालीन साहित्य स्वरूप और संभावना	अखिलेश	उदय प्रकाशन राज्य शिक्षा संस्थान कॉलोनी इलाहाबाद	1980
साहित्य का समाजशास्त्र	नगेन्द्र	नेशनल पब्लिशिग हाउस नई दिल्ली	1982

साहित्य का समाजशास्त्रीय चितंन	निर्मला जैन	हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निर्देशालय	1986
हिन्दी कहानी स्वरूप विकास और प्रतिनिधि कहानीकार	प्रकाश दीक्षीत	विनोद पुस्तक मंदिर हॉस्पीटल रोड, आगरा	1960
हिन्दी साहित्य का नए विचार नई दृष्टि	डॉ. सुरेश कुमार जैन	वाणी प्रकाशन	2008

साहित्य कोश ग्रन्थ

मानव मूल्य शब्दावली का विश्वकोश डॉ. धर्मपाल मैनी ,सरूप एण्ड़ एन्ज , 2005

हिन्दी विश्वकोश(नवम खण्ड) – रामप्रसाद त्रिपाठी, नगरी प्रचारिणी सभा ,1964

मानव विशाल हिन्दी शब्दकोश –कृष्णकान्त दीक्षित, सूर्यनारायण उपाध्याय , कमल प्रकाशन

सहायक पत्र–पत्रिकाएँ

नयापथ ,सम्पादन :– मुरली मनोहर प्रसाद सिहं , अर्द्ववार्षिक ,दिल्ली

बयान : सम्पादक :–मोहनदास नैमिशराय नई दिल्ली

तद्भव संपादक :– अखिलेश इलाहाबाद

कथा देश संपादक :– हरिनारायण , मासिक पत्रिका ,नई दिल्ली

युद्धरत आम आदमी :– संपादक–रमणिमा गुप्ता ,त्रैमासिक पत्रिका , दिल्ली